**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

**Test Booklet No.**

| J | 0 | 8 | 1 | 0 |
|---|---|---|---|---|

Time : **2 $^1/_2$** hours]

# PAPER-III
# COMMERCE

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **26**

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   **No Additional Sheets are to be used.**
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   **इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

## COMMERCE
## वाणिज्य

### PAPER – III
### प्रश्नपत्र – III

**Note :** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

## SECTION – I
## खंड – I

This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. What is Capital Budgeting ? Critically examine the discounted cash flow techniques used for investment appraisal.
पूँजी बजटन क्या है ? विनियोग मूल्यांकन में प्रयुक्त होने वाली बट्टा रोकड़ प्रवाह आधारित तकनीकों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

**OR / अथवा**

Write a critical note on Corporate Governance and Business Ethics.
कॉर्पोरेट गवर्नेन्स एवं व्यावसायिक नीतिशास्त्र पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिये ।

**OR / अथवा**

What is market segmentation ? What are the major bases for segmentation ? Highlight the rationale of market segmentation in Indian markets.
बाजार विभक्तिकरण क्या है ? विभक्तिकरण के प्रमुख आधार कौन से हैं ? भारतीय बाजार में बाजार विभक्तिकरण के औचित्य पर प्रकाश डालिये ।

2. Write a critical note on Banking Sector Reforms in India.
भारत में बैंकिंग क्षेत्र सुधारों पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिये ।

**OR / अथवा**

Distinguish between Primary and Secondary Data. Explain the different types of questionnaires and schedules to collect primary data from cross sections of respondents.
प्राथमिक एवं द्वितीयक समंकों में अंतर स्पष्ट कीजिये । प्राथमिक समंकों को विभिन्न वर्गों के प्रतिपक्षों से एकत्रित करने से संबन्धित प्रश्नावलियों एवं अनुसूचियों को समझाइये ।

**OR / अथवा**

Explain, with suitable diagrams and illustrations, the process of price and output determination under perfect competition both in short-run and long-run situations.
पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन दशाओं में मूल्य एवं उत्पाद निर्धारण प्रक्रिया को उपयुक्त उदाहरण एवं रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट कीजिये ।

## SECTION – II
## खंड – II

This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न है । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

### Elective – I
### Accounting and Finance
### ऐच्छिक – I
### लेखांकन एवं वित्त

3. Distinguish between Cost Centre and Responsibility Centre and discuss the steps involved in Responsibility Accounting.
   लागत केन्द्र एवं उत्तरदायित्व केन्द्र में अंतर स्पष्ट कीजिये तथा उत्तरदायित्व लेखांकन में निहित महत्त्वपूर्ण कदमों की विवेचना कीजिए ।

4. Elucidate the working of Stock Exchanges in India and discuss the role of SEBI and credit rating agencies.
भारत में स्कन्ध विपणियों की कार्य प्रणाली की व्याख्या कीजिए और सेबी एवं साख मूल्यांकन एजेन्सियों के योगदान का विवेचन कीजिए ।

5. What are the various forms of corporate restructuring ? Discuss the steps involved in managing an acquisition programme.
निगमीय पुनर्गठन के विभिन्न स्वरूप क्या हैं ? एक अधिग्रहण कार्यक्रम के प्रबन्ध में निहित कदमों की व्याख्या कीजिये ।

**OR / अथवा**

**Elective – II**
**Marketing**
**ऐच्छिक – II**
**विपणन**

3. "Internet and e-commerce businesses has created a unique advantage for consumers by delivering an alternative business model with high level of Personalization, Interactivity and Customization." Discuss.
"उच्च स्तर का व्यक्तिकरण, अंतरक्रिया एवं रीति-रिवाजीकरण के साथ एक वैकल्पिक व्यावसायिक मॉडॅल प्रदान करके इंटरनेट एवं ई-कॉमर्स व्यवसाय ने ग्राहकों के लिये विशिष्ट लाभ प्रदान किया है ।" विवेचना कीजिये ।

4. What distribution channels would you suggest for the following products and why ?
(i) Refrigerators (ii) Readymade shirts (iii) Hair dyers
निम्नलिखित उत्पादों के लिये आप कौन से वितरण माध्यमों को सूचित करेंगे एवं क्यों ?
(i) रेफ्रिजरेटर (ii) तैयार कमीज़ (iii) हेयर डायर

5. Distinguish between product positioning and product differentiation. Explain how do differentiation and positioning influence the product related decision-making.
उत्पाद स्थापीकरण एवं उत्पाद विभेद में अंतर कीजिये । उत्पाद संबन्धित निर्णयन को यह किस प्रकार प्रभावित करते हैं ?

**OR / अथवा**

**Elective – III**
**Human Resource Management**
**ऐच्छिक – III**
**मानव संसाधन प्रबन्ध**

3. What are the sources of recruitment of employees ? Make a comparative evaluation of these sources.
कर्मचारियों की भर्ती के विभिन्न स्रोत क्या हैं ? इन स्रोतों का तुलनात्मक मूल्यांकन कीजिये ।

4. What do you understand by wage and salary administration ? Explain the factors influencing wage and salary administration.
मजदूरी एवं वेतन प्रशासन से आप क्या समझते हैं ? मजदूरी एवं वेतन प्रशासन को प्रभावित करने वाले घटकों की व्याख्या कीजिये ।

5. What is meant by industrial relations ? Explain the nature and scope of industrial relations system in India in the context of globalization.
औद्योगिक संबन्धों से क्या तात्पर्य है ? वैश्वीकरण के संदर्भ में औद्योगिक संबन्धों की प्रकृति एवं क्षेत्र को स्पष्ट कीजिये ।

**OR / अथवा**

**Elective – IV**

**International Business**

**विकल्प – IV**

**अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार**

3. State the implications of Regional economic integration among SAARC countries in the light of recent changes in political scenario of the region.
सार्क देशों में क्षेत्रीय आर्थिक समन्वयन पर प्रादेशिक आर्थिक समाकलन का इस क्षेत्र के हाल ही के राजनीतिक परिवर्तनों के सम्बन्ध में निहित प्रभावों को बताइये ।

4. Discuss the effect of full convertibility of Rupee on Current account transactions and foreign exchange receipts and payments.
चालू खाते के लेन-देनों एवं विदेशी विनिमय की प्राप्तियों एवं भुगतानों पर रुपये की पूर्ण परिवर्तनशीलता के प्रभाव का विवेचन कीजिये ।

5. Critically examine the role played by FII's in strengthening Indian Capital Market during the last one decade.
गत एक दशक में भारतीय पूँजी बाजार को सशक्त करने में एफ.आई.आई. की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

**OR / अथवा**

**Elective – V**

**Income-tax Law and Tax Planning**

**ऐच्छिक – V**

**आयकर कानून एवं कर-नियोजन**

3. How do you justify the existing list of exempted incomes for the purpose of assessing total income of individual assessees ?
व्यक्ति करदाता के कुल आय के निर्धारण के उद्देश्य से करमुक्त आयों की विद्यमान सूची के औचित्य का निर्धारण आप कैसे करते हैं ?

4. Critically examine the methods of Tax Planning and also discuss the problems of Tax Planning.
कर-नियोजन की रीतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए एवं कर-नियोजन की समस्याओं का भी विवेचन कीजिए ।

5. Discuss the provisions of income-tax to assess a person as Non-Resident Indian.
अनिवासी भारतीय के रूप में एक व्यक्ति के कर-निर्धारण हेतु आयकर के प्रावधानों की विवेचना कीजिए ।

## SECTION – III
## खंड – III

This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Enumerate the important components of Business Environment.
व्यावसायिक वातावरण के महत्त्वपूर्ण अवयवों का वर्णन कीजिए ।

7. What are the various basic Accounting Concepts ?
विभिन्न आधारभूत लेखांकन अवधारणाएँ क्या हैं ?

8. What is the scope of Business Economics ?
व्यावसायिक अर्थशास्त्र का क्षेत्र क्या है ?

9. What are the principles of management given by Henry Fayol ?
हेनरी फेयोल द्वारा दिये गये प्रबन्ध के सिद्धान्त क्या हैं ?

10. Distinguish between advertising and publicity.
विज्ञापन एवं प्रचार में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

11. Highlight the important factors influencing dividend policy of a firm.
एक फर्म की लाभांश नीति को प्रभावित करने वाले महत्त्वपूर्ण घटकों का उल्लेख कीजिए ।

12. How do the social security plans contribute to labour welfare ?
सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का श्रम कल्याण के लिए क्या योगदान है ?

13. What are the important functions of a Development Bank ?
एक विकास बैंक के महत्त्वपूर्ण कार्य क्या हैं ?

14. What do you mean by Comparative Cost Theory ?
तुलनात्मक लागत सिद्धान्त से आपका क्या तात्पर्य है ?

## SECTION – IV
## खंड – IV

This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. **(5 × 5 = 25 marks)**

इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

It must be noted that the Government's Policy, as expressed in the Industrial Policy Resolution, 1956, is that "the adoption of the socialist pattern of society as the national objective, as well as the need for planned and rapid development, require that all industries of basic and strategic importance, or in the nature of public utility services, should be in the public sector. Other industries, which are essential and require investment on a scale which only the State, in the present circumstances, can provide, have also to be in the public sector". Accordingly, the future development of 17 industries of vital importance listed in Schedule A to the Industrial Policy Resolution has been exclusively reserved for the public sector, and in another 12 important industries, listed in Schedule B, the State will play the dominant role. The Policy Resolution stated that it was expected that the development of the remaining industries "will be undertaken ordinarily through the initiative and enterprise of the private sector, though it will be open to the State to start any industry even in this category. It will be the policy of the State to encourage the development of these industries in the private sector, in accordance with the programmes formulated in successive Five Year Plans, by ensuring the development of transport, power and other services, and by appropriate fiscal and other measures. The State will continue to foster institutions to provide financial aid to these industries, and special assistance will be given to enterprises organised on co-operative lines for industrial and agricultural purposes". While shortcomings still exist, it must be said to the credit of the Government that a remarkable progress has been achieved on these lines. It may also be pointed out here that a number of private sector enterprises that already existed in the industries included in the Schedule A have been allowed to develop further.

इस पर ध्यान देना आवश्यक है कि सरकार की नीति, जैसा कि औद्योगिक नीति प्रस्ताव, 1956 में वर्णित है, "एक राष्ट्रीय लक्ष्य के रूप में समाजवादी समाज के ढाँचें का अंगीकरण तथा योजनाबद्ध द्रुत विकास की आवश्यकता यह चाहती है कि सभी आधारभूत एवं सामरिक महत्त्व के उद्योग अथवा लोक उपयोगी सेवाओं के स्वभाव वाले उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र में होने चाहिए । अन्य उद्योग जो आवश्यक हैं एवं जो ऐसे पैमाने पर विनियोग की आवश्यकता रखते हैं, जिसको वर्तमान

परिस्थितियों में केवल राज्य ही प्रदान कर सकता है, को भी सार्वजनिक क्षेत्र में रखना है ।" के तदनुसार व्यापक महत्त्व के 17 उद्योग जो औद्योगिक नीति प्रस्ताव के तालिका-अ में सूचीबद्ध है को केवल सार्वजनिक क्षेत्र के लिये सुरक्षित किये गये है, एवं अन्य 12 महत्त्वपूर्ण उद्योग जो तालिका-ब में सूचीबद्ध है में राज्य की प्रभावशाली भूमिका रहेगी । नीति प्रस्ताव में ऐसी आशा का उल्लेख किया गया कि बचे हुए उद्योगों का विकास सामान्यतया निजी क्षेत्र के उद्यम एवं पहल के माध्यम से लिया जायेगा । यद्यपि राज्य के लिये यह खुला रहेगा कि वह इस वर्ग में भी कोई भी उद्योग प्रारम्भ कर सके । निजी क्षेत्र में इन उद्योगों के विकास को, यातायात, ऊर्जा एवं अन्य सेवाओं तथा उचित राजकोषीय एवं अन्य उपायों द्वारा उत्तरोत्तर पंचवर्षीय योजनाओं में निर्धारित कार्यक्रमानुसार प्रोत्साहित करने की राज्य की नीति रहेगी । इन उद्योगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिये राज्य ऐसी संस्थाओं को पोषित करता रहेगा एवं उन उपक्रमों को विशिष्ट सहायता प्रदान की जायेगी, जो औद्योगिक एवं कृषीय उद्देश्यों के लिये सहकारीता के आधार पर संगठित होंगे । जबकि कमियाँ अभी भी विद्यमान है, फिर भी सरकार की उपलब्धि के संबन्ध में ऐसा कहा जा सकता है कि इस दिशा में असाधारण उन्नति प्राप्त की गई है । इसको भी यहाँ इंगित किया जा सकता है कि बड़ी संख्या में निजी क्षेत्र के उपक्रमों, जो तालिका-अ में सम्मिलित उद्योगों में पहले से ही विद्यमान थे, उन्हें उत्तरोत्तर विकास की अनुमति प्रदान की गयी है ।

15. What are the main features of the Government's Economic Policy ?
सरकार की आर्थिक नीति की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ?

16. What types of industries as per the IPR, 1956 should be in Public Sector ?
आई.पी.आर. 1956 के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र में किस प्रकार के उद्योग होने चाहिये ?

17. In what areas the role of Private Sector enterprises been recognised ?
किन क्षेत्रों में निजी क्षेत्र के उपक्रमों को मान्यता दी गई है ?

18. In what way was the Co-operative Sector to be encouraged ?
किस तरीके से सहकारी क्षेत्र का प्रोत्साहन होना है ?

19. What happened to the enterprises that already existed in industries reserved for the Public Sector ?
सार्वजनिक क्षेत्र के लिये सुरक्षित उद्योगों में पहले से ही विद्यमान उपक्रमों के साथ क्या हुआ ?

| FOR OFFICE USE ONLY | |
|---|---|
| Marks Obtained | |
| Question Number | Marks Obtained |
| 1 | |
| 2 | |
| 3 | |
| 4 | |
| 5 | |
| 6 | |
| 7 | |
| 8 | |
| 9 | |
| 10 | |
| 11 | |
| 12 | |
| 13 | |
| 14 | |
| 15 | |
| 16 | |
| 17 | |
| 18 | |
| 19 | |
| 20 | |
| 21 | |
| 22 | |
| 23 | |
| 24 | |
| 25 | |
| 26 | |

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....